चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19-11-25	1	6-8

जल संरक्षण के लिए एचएयू को राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एचएयू कुलपति को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

भास्कर न्यूज | हिसार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि एचएयू वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेशभर के किसानों को जागरूक किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त करते वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	19-11-25	3	1-2

राष्ट्रपति ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए हकृवि को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

जागरण संवाददाता • हिसार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्य जलशक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय की ओर से छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई। जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करते हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हकृवि ने जल संरक्षण के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूक

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि वैज्ञानिकों ने फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान गोष्ठियां, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, जल संरक्षण तकनीक पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, वन महोत्सव कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मो में भी पौधरोपण किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	19-11-25	4	4-6

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए हकृवि को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

समारोह में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को किया सम्मानित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त करते हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हिसार, 18 नवम्बर (ब्यूरो): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी. सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई, जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया।

वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

हकृवि द्वारा जल संरक्षण के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूक

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान गोष्ठियां, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, जल संरक्षण तकनीक पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, वन महोत्सव कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19-11-25	4	1-2

जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज को सम्मानित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। स्रोत: विश्वविद्यायल

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने प्राप्त किया पुरस्कार

हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह सम्मान उन्हें मंगलवार को विज्ञान भवन, दिल्ली में आयोजित एक समारोह में दिया गया। प्रो. कांबोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय की ओर से घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 में विश्वविद्यालय को ''सर्वश्रेष्ठ संस्थान'' श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। इस पुरस्कार से विश्वविद्यालय को विशेष पहचान मिली है, जो उनके द्वारा किए गए जल संरक्षण के प्रयासों की सफलता का प्रतीक है।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने धान की कम अवधि में पकने वाली किस्म एचकेआर-49 और गेहूं की दो पानी में अधिक उपज देने वाली किस्म डब्ल्यूएच 1402 को विकसित की है। इन किस्मों के उपयोग से किसानों को न केवल अधिक पैदावार मिल रही है, बल्कि जल की भी बचत हो रही है। ब्यूरो

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	19-11-25	5	1-2

राष्ट्रपति ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए हकृवि को दिया पुरस्कार

नयी दिल्ली में मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त करते हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज। -हप्र

हिसार, 18 नवंबर (हप्र)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी. सोमन्ना व राज भूषण चौधरी भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विवि के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	19-11-25		

हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त करते हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए हकृवि को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज »» हिसार

■ विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को किया सम्मानित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार - 2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल	18.11.2025	--	--

हरियाणा कृषि विवि को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से किया गया सम्मानित

हरियाणा मेल, एजेंसी

हिसार। जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों यह पुरस्कार विवि के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने प्राप्त किया। इस दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. कम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 की घोषणा की गई, जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

जल संरक्षण के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूकअनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान गोष्ठियां, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, वन महोत्सव कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में भी पौधरोपण किया गया।

उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में जल की बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	18.11.2025	--	--

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए हकृवि को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार :18 नवम्बर

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान गोष्ठियां, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, जल संरक्षण तकनीक पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, वन महोत्सव कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में भी पौधारोपण किया गया। कृषि क्षेत्र में जल की बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हकृवि द्वारा धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं जिनसे पानी की बचत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	**18.11.2025**	--	--

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए हकृवि को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

समारोह में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को किया सम्मानित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 19 नवम्बर : महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

हकृवि द्वारा जल संरक्षण के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूक

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान गोष्ठियां, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, जल संरक्षण तकनीक पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, वन महोत्सव कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में भी पौधारोपण किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	18.11.2025	--	--

द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण के लिए हकृवि को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने प्राप्त किया। मंच पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य जल शक्ति मंत्री वी सोमन्ना व राज भूषण चौधरी उपस्थित रहे।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 की घोषणा की गई जिसमें विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल-कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान

के लिए चयनित किया गया। वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेश भर के किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिकों ने खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्म की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।